

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

नमस्ते एव नमस्ते गुरुभ्योऽपि जीवाजी
विश्वविद्यालय ने अन्त में भी दिया था वह न
कि बिहारी जन विद्यालय के बाप है।
गुरुभ्योऽपि विद्यालय एवं जीवाजी एवं
नमस्ते द्वारा दो दो प्रब क्रमांक एवं विद्यालय
अवश्य लिखा जाये लिखते रुकिया हो।



पत्र : गुरुभ्योऽपि
प्राप्तात्मक : ००९१-(०५१) २४४२८६१
२४४२४६२ फोन
फैक्ट्र : ००९१-०५१-२३४७७६९
E-mail : jivug_gwl@rediffmail.com
Website : <http://www.jiwaji.edu/>

प्रधान :
गुरुभ्योऽपि,
जीवाजी विश्वविद्यालय
ग्वालियर

क्रमांक : एफ/लरबड्डा/२०१२/५६९७

दिनांक : १३/१२/१२

// अधिसूचना //

विश्वविद्यालय अधिकारियन् १९७३ की धारा २६(i)(v) एवं २४(xii) के अन्तर्गत कार्यपालिका की
वैयक्तिक दिनांक ०७ अक्टूबर, २०१२ के एवं क्रमांक (०२) के विर्यानुवार श्री ज्ञेयपति सरकार द्वारा ऑफिस
कॉर्पोरेशन, इन्डरनगर को सत्र २०११-१२ के लिये प्रत्यावृत्तवाचिकान्त श्री ए. ए. इतिहास,
यज्ञवल्लीतांशुल, समाजशास्त्र, कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स) श्री वर्मन दत्तीय वर्ष, (जीवाजी विश्वविद्यालय एवं
एस-सी. दत्तीय वर्ष, (आपा गणित, और्योग्यक, रसायन) अधिकारी-व्याख्यालोचनी एवं कम्प्यूटर पाठ्यक्रम के
लिये अस्थाई समझूलता लिख शर्तों के लाल प्रयाल की जाती है।

शर्त/प्रतिबंध :-

१. यदिनियम २८(१७) के अन्तर्गत विभिन्न विषयों से सम्बद्ध सिक्षकों की नियुक्तियां यथा शीघ्र
की जायें।
२. पुस्तकालय में ८०,०००/- रु. की पुस्तकों का योग कर रखी जायें।
३. प्रशोधकालाओं में पर्याप्त उपकरण कर रखे जायें।
४. प्रशोधकालाओं में आवश्यक सुविधाएँ लगें देते और ज्ञान प्रदान की जायें।
५. पुस्तकालयाध्यक्ष और इन्हें अधिकारी की नियुक्ति २८(१७) के अन्तर्गत की जायें।
६. अधीकारिक स्टाफ की नियुक्ति विभिन्न एवं विभिन्न स्टाफ की नियुक्तियां २८(१७) के अन्तर्गत
यथा शीघ्र की जायें।
७. शरीरी विकास की विधियां बैठकें की जायें।
८. उपरोक्त नियुक्तियाँ अधिकारी-वर्ष ती जायें। अलगा सत्र २०१२-१३ से समझूलता प्रदान
न की जायें।

अद्यवानुसार

कुलसंचिव

प्रति,

१. प्राचार्य, श्री ज्ञेयपति सरकार द्वारा ऑफिस कॉर्पोरेशन, इन्डरनगर
२. आद्यकाल, भाष्यप्रदेश साहाय, तत्त्व विभाग, सामुदाय भवन, भोपाल।
३. श्रीमति अमितेश संवानक, भाष्यप्रदेश साहाय, तत्त्व विभाग, ग्वालियर-बंबल गंगाया, गोती गढ़न
परियार, ग्वालियर।
४. उप-कुलसंचिव (परीक्षालयान्वयन) जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर।
५. अधीकारिक परीक्षा कम्बल ०३, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर की ओर सुनार्ह हुए अनावश्यक
प्रार्थनाएँ हेतु।

सहायक कुलसंचिव (समझूलता)